www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 27 जुलाई, 2010 • अंक-44 • वर्ष-3

पेंसनर समाज लेल निःशुल्क सेवाक शुभारंभ करैत सुलभ संस्थापक विंदेश्वर पाठक

चाहे बिहार कतबो सुधरे हम नहि सुधरब

बिहार विधानसभा मे पक्ष आ विपक्ष जाहि तरह से हंगामा केलथि । ओहि स कर्नाटक क स सिखल गेल धरना मे बिहार क विधायक उत्तरप्रदेशक मारपीट क कॉकटेल देखेबाक मौका भेटल। राति भरि सदन मे धरना देलथि। बीच राति मे नारेबाजी केलथि। मुदा एकटा गप नीक रहल जे भोजन कोनो पांच सितारा टोटल स नहि आयल। महामहिम सब विधानसभाक कैंटिन मे बनल भोजन केलथि। एहि संबंध मे विधानसभा अध्यक्षक कहब अछि जे धरना देल जा रहल अछि स त बुझबा मे आयल मुदा किया से पता नहि ।

çÎ,,è ÎÚÕæÚ × çÕãæÚ· ¥æßæÁ ÖÜ ÕÜÎ

कम किया भेल हमर हक

नई दिल्ली । दिल्ली दरबार मे एहि बेर बिहारक मुख्यमंत्री राज्य हित मे आवाज बुलंद केलथि । इ पहिल मौका छल जखन बिहारक कोनो मुख्यमंत्री दिल्ली मे राज्यक हित लेल एना बाजल हुए । एखन धरि देखल गेल छल जे कांग्रेसी मुख्यमंत्री दिल्ली मे चुप भ केंद्रक गप गबडगबड सुनि लैत छल या फेर राबडी देवी सन विपक्षक मुख्यमंत्री दिल्ली एबा स परहेज करैत रहल। मुदा नीतीश केवल एलथि नहि बल्कि बिहारक गप जोर-शोर स रखलथि । बिहारक कोनो मुख्यमंत्री क इ रूप देखि सब स्तब्ध भ गेल। लोक इ सोचबा लेल मजबूर भ गेल जे बिहारक मुख्यमंत्री सेहो दिल्ली मे दहाड सकैत अछि। देश क सबस पैघ नीति नियामक संस्था राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) क बैठक मे पंचवर्षीय योजना क मूल्यांकन पर नीतीश कुमार पुरजोर तरीका स अपन गप कहलथि। नीतीश केंद्रीय योजना क इ कहिकए धज्जी उड़ा देलथि जे एकरा त केंद्र राज्य क हक मारिकए अपन वाहवाही लूटबा लेल चला रहल अछि। अपन भाषण मे नीतीश राज्य सरकार किछु मांग सेहो आगू बढ़ौलथि, मुदा ओ साफ तौर पर कहलथि जे केंद्र सरकार जेना राज्य क आजादी खत्म करबा मे लागल अछि ओ लोकतंत्र क संघीय व्यवस्था लेल घातक अछि। मौजूदा सरकार जे करि रहल अछि ओहि स संविधान क भावना आ राष्ट्रीय विकास परिषद क उद्देश्य दूनू ध्वस्त भ रहल अछि। इ राज्य क आजादी कए हड़पबाक कोशिश छी। नीतीश क तर्क छल जे केंद्र अपने त लोकलुभावन योजना आनि कए वाहवाही लूट रहल अछि, मुदा राज्य कए भेटैएवाला केंद्रीय मदद कम करि रहल अछि। 11वीं योजना क प्रस्तावित सकल बजटीय समर्थन मे राज्य क हिस्सा 34 फीसदी स घटि कए 23 फीसदी रहि गेल अछि, जखनकि केंद्र क हिस्सा 66 स बढ़ि कए 77 फीसदी भ गेल अछि। प्रधानमंत्री नीतीशक एहि आरोप पर चुप रहलाह। मुदा कईटा आन मुख्यमंत्री नीतीशक एहि गप पर सहमति जतेलथि।

नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्री पर गंभीर आरोप लगबैत कहला जे हमर संघीय ढांचा कए इ शोभा नहि दैत अछि जे केंद्र क मंत्री केंद्रीय संसाधन आ मंच क उपयोग राज्य सरकार क आलोचना करबा लेल करथि। संविधान मे केंद्र क भूमिका राज्य क सहयोगी क रूप मे देल गेल अछि नहि कि अड़ंगा डालबा लेल। ओ कहला जे बिहार क सकल घरेलू उत्पाद मे उत्साहजनक प्रगति भेल अछि, तइयो प्रति व्यक्ति क आय क मामला मे हम काफी पाछु छी। सामाजिक क्षेत्र मे हम अति प्रशंसनीय प्रगति केलहूं अछि, तइयो राष्ट्रीय प्रति व्यक्ति क आय क स्तर कए छूबा लेल हमरा भारी निवेश करबाक जरूरत अछि। अत: निवेशक कए आकर्षित करबा लेल खासकए कृषि आधारित उद्योग क क्षेत्र मे बिहार कए विशेष राज्य क दर्जा देल जाए। एक बेर विशेष राज्य क दर्जा प्राप्त होइते, बिहार अपन जरूरत क अपने ध्यान रखबा मे सक्षम भ जाएत। भारतीय खाद्य निगम क दिस स राज्य मे पर्याप्त भंडारण क्षमता विकसित करबा लेल प्रयास हेबाक चाही। शिक्षा क अधिकार कानून लागू करबा लेल राज्य कए 25 हजार करोड़ टकाक जरूरत अछि। नीतीश कुमार सीधा सवाल केलथि जे अगर एतबा टका अहांक कहला पर शिक्षा पर खर्च करि देब त बाकी विकासक काज कोना होएत।

गौरतलब अछि जे कुमार मुख्यमंत्री बनलाक बाद स लगातार एहि मांग कए उठबैत रहलाह अछि आ योजना आयोग क लग मे इ मामला विचाराधीन अछि। ओनो विशेष राज्य क दर्जा देबाक अधिकार राष्ट्रीय विकास परिषद क लग मे अछि।

कांग्रेस हमर आदर्श कहियो नहि रहल : लालू

दरभंगा । राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद कहला अछि जे कांग्रेस हुनकर आदर्श कहियो नहि रहल, मुदा फिरकापरस्त ताकत कए केन्द्र क सत्ता स अलग रखबा लेल ओ कांग्रेस क संग देलथि। स्थानीय राज मैदान मे राजद आ लोक जनशक्ति पार्टी क संयुक्त रैली कए संबोधित करैत कहला जे केन्द्र मे कांग्रेस सरकार बनेबा मे सहयोग करनिहार 80 प्रतिशत अल्पसंख्यक आइ अपना कए छलबा स दुखीं छथि।

हुनकर विकास क लेल बनाउल गेल सच्चर कमेटी, रंगनाथ मिश्रा कमेटी आ फातमी कमेटी क अनुशंसा आइ धरि लागू नहि भ सकल अछि। जाहि स आब हुनकर मोह कांग्रेस स टूटि गेल अछि। ओ दावा केलथि जे अल्पसंख्यक क भला राजद आ लोजपा कए छोडि किया नहि करि सकैत अछि। राजद अध्यक्ष कहला जे नीतीश कुमार सरकार शिक्षक बहाली क नव नियमावली बनाकए उर्दू शिक्षक क संग विश्वासघात केलक अछि। महिला विधेयक क चर्चा करैत ओ कहला जे कांग्रेस महिला क नाम पर मुसलमान कए सियासत स बाहर करबाक साजिश करि रहल अछि। ओ कमड़तोड़ महंगाई क लेल केन्द्र क कांग्रेस सरकार क संग-संग बिहार क नीतीश कुमार क सरकार कए सेहो दोषी करार देलथि। लालू कहलथि जे बिहार मे लोक भूख स मरी रहल अछि आ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पंचायत स्तर पर सस्ता रोटी क दुकान क जगह पर दारू क दुकान खोलबा मे लागल छथि।

बेगूसराय क बेटा आ मुजफ्फरपुर क बेटी कए भेटल रामनाथ गोयनका अवार्ड

पत्रकारिता क क्षेत्र मे देश क सम्मानित रामनाथ गोयनका अवार्ड एहि साल बिहार क एकटा दंपति कए देल गेल अछि। एहि सम्मान क इतिहास मे एहन पहिल बेर भेल अछि जखन कोनो दंपति कए एकहि साल एकहि संग इ अवार्ड देल गेल अछि। न्यूज 24 क संस्थापक प्रबंध संपादक अजीत अंजुम कए टीवी पर रिपोर्टिंग क लेल, ओतहि प्रिंट रिपोर्टिंग क लेल हुनकर पत्नी आउटलुक क सहायक संपादक गीताश्री कए एहि साल क रामनाथ गोयनका अवार्ड भेटल अछि। नई दिल्ली मे आयोजित समारोह मे राष्ट्रपति इ पुरस्कार देलथि। अजीत कए इ पुरस्कार 2008 क कोसी बाढ़ क रिपोर्टिंग, आ गीताश्री कए झारखंड, छत्तीसगढ़ आ मध्य प्रदेश क पिछड़ल इलाका स आदिवासी लड़की क तस्करी क सच दुनिया क सामने अनबा लेल देल गेल अछि। अजीत बेगूसराय क बेटा छथि, त गीताश्री मुजफ्फरपुर क बेटी छथि।

807 किमी सड़क क होएत कायाकल्प

नई दिल्ली। सरकार नैशनल हाइवेज इंटरकनेक्टिविटी इंफ्रूवमेंट प्रोजेक्ट (एनएचआईआईपी) क तहत देश भरिक विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों क 3,700 किलोमीटर हिस्सा क काया-कल्प करत। एहि परियोजना पर 20,000 करोड़ खर्च हेबाक क उम्मीद अछि। इ परियोजना सड़क परिवहन आ राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पूरा कैल जाएत। एकर तहत अगिला 3 साल मे 8 राज्य क सड़क कए सिंगल लेन स डबल लेन मे बदलल जाएत। सूत्र क मुताबिक बिहार, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा, उत्तराखंड, कर्नाटक, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आ अंडमान निकोबार मे 33टा सडक कए एहि लेल चुनल गेल अछि। विकास क पहिल चरण मे बिहार मे 807 किमी, कर्नाटक मे 667 किमी आ हिमाचल प्रदेश मे 640 किमी सड़क कए काया-कल्प कैल जाएत। मंत्रालय क वरिष्ठ अधिकारी कहला जे एहि परियोजना क लेल 80 फीसदी धनराशि विश्व बैंक देत, शेष धनराशि केंद्र सरकार लगाउत। एहि परियोजना स केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री कमलनाथ द्वारा निर्धारित 20 किमी सड़क प्रति दिन निर्माण क लक्ष्य हासिल करबा मे मदद भेटत। जखन कमलनाथ मंत्रालय संभालने छलाह, ओहि समय सड़क निर्माण क दर 4 किमी प्रति दिन छल, जे कापफी कम छल, मुदा आइ इ 13 किमी प्रति दिन भ गेल अछि।

रांची-पटना लेल 15 स एयर टैक्सी सर्विस

रांची । पिनाकल एयर प्राइवेट लिमिटेड (पीएपीएल) 15 अगस्त स झारखंड आ बिहार क लेल एयर टैक्सी सर्विस शुरू करि रहल अछि। फालकॉन 2000 एलएक्स, बेल 407 (हेलीकॉप्टर) क कंपनी उपयोग करत। शिडयूल क घोषणा एखन नहि भेल अछि। कंपनीक अधिकारीक कहब अछि जे अगिला एक-दू दिन मे एकर घोषणा करि देल जाएत। डीजीसीए द्वारा पिनाकल कए नन-शिडयूल ऑपरेटर परमिट जारी कैल अछि। कंपनी क निदेशक (ऑपरेशन) रितेश सिन्हा कहला जे रांची-पटना, रांची-जमशेदपुर, रांची-धनबाद, रांची-देवघर, रांची-पलामू क लेल सर्विस शुरू भ रहल अछि।

बिहार मे निवेश करत गोदरेज एग्रोवेट

कोलकाता। कृषि क्षेत्र क उत्पाद बनेनिहार कंपनी गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) बिहार आ बंगाल मे पशुआहार मिल लगेबा लेल 60 करोड़ टका क निवेश करत। कंपनी क कार्यकारी निदेशक बीएस यादव कहला, बिहार आ बंगाल मे हम 60 करोड़ टकाक लागत स पशुआहार मिल लगा रहल छी। इ मिल एक साल मे तैयार भ जाएत। एकरा लगेबा लेल हमरा लोकनि कए पांच स छह एकड जमीन क जरूरत अछि। ओ कहला जे कंपनी लखनऊ आ बनारस मे सेहो पशुआहार मिल लगेबा लेल 40 करोड़ खर्च करि रहल अछि।

चीनी मिल बेचबा लेल नव नुस्खा!

पटना । बिहार क चीनी मिल क प्रति निवेशक क बेरुखी स परेशान राज्य सरकार आब एहि मिल कए बेचबा लेल नव तरीका तकबा मे जुटल अछि। सरकारी अधिकारी मानू त आब एहि मिल आ एकर जमीन कए बिहार औद्योगिक भूमि विकास प्राधिकरण (बियाडा) क हवाले कैल जा सकैत अछि।

राज्य सरकार क एकटा वरिष्ठ अधिकारी क कहब अछि जे, बियाडा क जरिये एहि मिल कए बेचकए हम मोट रकम कमा सकैत छी। संगहि हमारा लग विकल्प सेहो कईटा होइत। एखनधरि हम सिर्फ एकटा निवेशक कए इ मिल आ जमीन द रह छी, मुदा बियाडा एहि भूमि कए कईटा निवेशक कए अलग-अलग दाम पर द सकैत अछि। एहि स हमर कमाई मे इजाफा होएत।

राज्य सरकार बिहार स्टेट शुगर कॉरपोरेशन क साल स बंद पड़ल इन मिल कए बेचबा क फैसला एहि लेल केने छल, ताकि एकर कर्मचारी कए साल स लंबित वेतन क भुगतान कैल जा सकए। राज्य क गन्ना आयुक्त जयमंगल सिंह कहला जे हिनकर वेतन क मद मे साल स टका लंबित अछि। एहि मिल कए बेचकए हम कम स कम एतबा रकम जुटेबाक इच्छा रखैत छी जाहि स हुनका सब कएबकाया द सकी। सिंह कहला जे हम एहि चीनी मिल कए बेचबा लेल तीन चरण मे बोलि मंगेलहू। पहिल चरण मे 15, दोसर मे 9 आ तेसर मे 11टा मिल कए बेचबा लेल प्रयास कैल गेल, मुदा केवल दू-दू कुल चारि टा चीनी मिल कए बेच सकलहूं अछि। तेसर चरण क प्रक्रिया एखन चलि रहल अछि, मुदा एहि मे सेहो केवल चारिटा मिल पर गप भ रहल अछि।

ओ कहला जे तेसर चरण मे दूटा मिल क इस्तेमाल निवेशक चीनी मिल क रूप मे करै चाहैत छथि। बाकी मिल क

Öç× ¥çÏ»ãÇ‡æ × ¥æçÕ ÚãÜ çÎP Ì · °
Î¹Ì ÙÎ ©Ì¼» ÜÜ Á×èÙ· ÁØßSÍæ · æÈè
×çà· Ü Ö »Ü ¥çÀ °ãÙ × °çã ç×Ü Ü Á
Á×èÙ ¥çÀ ¥ôçã × Î â ¿æçÚ Áæ ©Ì¼» °·
â» Üæ»è â· Ì ¥çÀÐ

इस्तेमाल ओ दोसर काज लेल करै चाहैत छथि। हमरा एहि मे कोनो आपत्ति नहि अछि, मुदा कम निवेशक क एला स हम परेशान जरूर छी।

सूत्र क कहब अछि जे ज्यादातर निवेशक त जमीन क खातिर एहि चीनी मिल सब कए दिस आकर्षित भ रहल छलाह। ओ एकर इस्तेमाल चीनी उत्पादन स इतर दोसर काज लेल करै चाहैत छथि, मुदा एकरा लेल एखन ठीक स माहौ नहि बनल अछि जाहि स ओ दुविधा मे छथि। सरकार सेहो इ नहि चाहैत अछि जे विपक्ष ओकरा पर इ आरोप लगाबै जे सरकार चीनी मिल खोलबा मे विफल रहल। मालूम हुए जे देश क आन राज्यक मुकाबले बिहार क चीनी मिल लग बहुत जमीन अछि। मिसाल क तौर पर मुजफ्फरपुर जिले क मोतीपुर चीनी मिल लग 1,000 एकड़ जमीन अछि। बीतल चारि साल मे सूबा मे जमीन क दाम आसमान छू रहल अछि। भूमि अधिग्रहण मे आबि रहल दिक्कत कए देखैत नव उद्योग लेल जमीनक व्यवस्था काफी मुश्किल भ गेल अछि एहन मे एहि मिल ल जे जमीन अछि ओहि मे दू स चारि टा उद्योग एक संग लागी सकैत अछि। एहन मे सरकार एकरा एक गोटे क हाथे बचबा स बेसी चारि गोटेक हाथे बेचबाक योजना पर विचार करि रहल अछि।

अन्य पिछड़ा वर्ग क सूची मे शामिल भेल अदरखी जाति

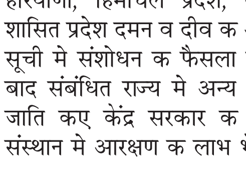

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री क अगुवाई मे भेल केंद्रीय मंत्रिमंडल क बैठक मे बिहार स जुड़ल अन्य पिछड़ा वर्ग क सूची मे अदरखी जाति कए सेहो शामिल करबाक निर्णय लेल गेल। गौरतलब अछि जे अदरखी जाति कए अन्य पिछड़ा वर्ग क सूची मे शामिल करबाक सिफारिश राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग केने छल। एकर अलावा सरकार पहिल बेर छत्तीसगढ़ आ झारखंड मे अन्य पिछड़ा वर्ग क लेल केंद्रीय सूची जारी करबाक फैसला केलक अछि। एहि दूनू नव गठित राज्य क अलावा केंद्रीय सामाजिक न्याय आ अधिकारिता मंत्रालय हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान आ केंद्र शासित प्रदेश दमन व दीव क अन्य पिछड़ा वर्ग संबंधी केंद्रीय सूची मे संशोधन क फैसला लेलक अछि। एहि फैसला क बाद संबंधित राज्य मे अन्य पिछड़ा वर्ग मे शामिल कईटा जाति कए केंद्र सरकार क नौकरी आ केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान मे आरक्षण क लाभ भेट सकत।

भ्रूण हत्या रोकबा मे बिहार बनेलक रिकार्ड

वाशिंगटन। मादा भ्रूण हत्या आ दहेज हत्या पर रोक लगेबा क रिकार्ड कए लकए बिहार क एकटा गाम क तारीफ चाहे भारत मे नहि भ रहल अछि, मुदा अमेरिका मे एकर धूम बचल अछि। अमेरिका क एकटा शीर्ष अधिकारी कहला अछि जे विवाह क लेल एकटा न्यूनतम आयु क निर्धारण लेल विभिन्न देश कए कानून लागू करबाक चाही आ एहि लेल बिहारक एकटा गाम स प्रेरणा लेबाक चाही। वैश्विक महिला मुद्दा पर दूत मेलान वरवीयर बाल विवाह पर एकटा कार्यक्रम क दौरान टॉम लैंटोस मानवाधिकार आयोग क संग विचार-विमर्श क दौरान कहलथि जे भारत क बिहार राज्य क एकटा गाम धारहारा क निवासी लड़की क जन्म पर आम क एकटा गाछ रोपैत छथि। इ गाछ 18 साल बाद लड़की क विवाह स जुड़ल खर्च क वहन करैत अछि। ओ कहला जे साधारण सन इ उपाय लड़की स जुड़ल वित्तीय समस्या स निपटबा मे काज अबैत अछि आ एकर शानदार नतीजा सामने आएल अछि। वरवीयर कहलथि जे एकटा एहन राज्य मे जतए दहेज क कारण मौत क सर्वाधिक मामले सामने अबैत छल, ओहि राज्य क एहि गांव मे मादा भ्रूण हत्या बा दहेज क कारण मौत क एकटा मामला सामने नहि आयल अछि। वरवीयर कहलथि जे पहिने स मौजूद विकास एजेंडा पर काज करबाक अलावा, समुदाय मे लड़की क महत्व कए बढ़ेबा लेल सेहो प्रयास करबाक चाही।

यूनिवर्सिटी आफ नालंदा निरसन विधेयक पास

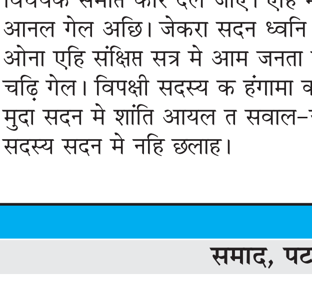

पटना । यूनिवर्सिटी ऑफ नालंदा निरसन विधेयक 2010 कए विधानपरिषद पास करि देलक अछि। मानव संसाधन मंत्री हरिनारायण सिंह विधेयक पास करबाक मौका पर कहला जे केन्द्र सरकार अन्य संस्था क मदद स नालंदा मे विश्वविद्यालय स्थापित करै जा रहल अछि। एकरा लेल संसद क मानसून सत्र मे विधेयक पेश कैल जाएत। आवश्यक अछि जे पूर्व मे एहिस संबंधित निर्मित विधेयक समाप्त करि देल जाए। एहि मकसद स निरसन विधेयक आनल गेल अछि। जेकरा सदन ध्वनि मत स पास करि देलक। ओना एहि संक्षिप्त सत्र मे आम जनता स जुडल सवाल हंगामा क भेंट चढ़ि गेल। विपक्षी सदस्य क हंगामा क कारण मार्शल बजाउल गेल, मुदा सदन मे शांति आयल त सवाल-जवाब क मौका उठेबा लेल सदस्य सदन मे नहि छलाह।

कुंठित भ बांझ बनल झारखंडक राजनीतिक सर्जनशीलता

हिमकर श्याम

राष्ट्रपति शासन लगबा स जतय सूबा क लोक राहत महसूस करि रहल अछि, ओतहि तमाम विधायक क छटपटाहट आ बेचैनी बढ़ि गेल अछि। राष्ट्रपति शासन सूबा क विधायक कए बेकार बना देलक अछि। इ बेगारी हुनका रास नहि आबि रहल अछि। जेना-जेना राष्ट्रपति शासन मे व्यवस्था कए पटरी पर अनबाक प्रयत्न भ रहल अछि तेना-तेना इ बेचैनी बढल जाइत अछि। बहुसंख्यक विधायक राष्ट्रपति शासन क खिलाफ छथि। कोई खुलकए त कोई दबल मुंह स एकर विरोध करि रहल छथि।

विधायक क इ बेचैनी लूट क खेल मे शामिल नहि हेबा स अछि। इ बेचैनी सत्ता स दूर जेबाक कारण अछि। इ बेचैनी विधायकी पर मंडरा रहल खतरा क वजह स अछि। सबकिछु दांव पर लगाकए विधायक बनल एहि माननीय क विधायकी चुनाव क बाद सेहो रहत, इ निश्चित नहि अछि। विधायक क चेहरा क मायूसी हुनकर दर्द बयां करि रहल अछि। विकास क नाम पर काल्हि तक सुतल चेतना अचानक जाग्रत भ गेल अछि। सबकए राज्य क विकास आ भ्रष्टाचार क चिंता सताबे लागल अछि।

इ बेचैनी झामुमो मे सबस बेसी अछि। झामुमो अपना कए लोकतांत्रिक सरकार क पक्षधर बता रहल अछि। सरकार बनेबाक सवाल पर ओकरा पहिनो ककरो स परहेज नहि छल एखनो नहि अछि। सरकार बनेबाक आस मे हेमंत दर-दर भटकि रहल छथि। हेमंत सोरेन पुनः सत्ता क भोग लगेबा लेल बेहद आतुर छथि। ओ कखनो भाजपा क मन टटोल रहल छथि त कखनो कांग्रेस क। खबर अछि जे सरकार खसलाक बाद हेमंत लगातार अर्जुन मुंडा क संपर्क मे छथि। सरकार क मुद्दा पर ओ कई बेर भाजपा क केंद्रीय नेतृत्व स भेंट करि चुकला अछि। हुनकर हताशा एतबा बढि गेल अछि जे ओ एतबा धरि कहि चुकला अछि जे सरकार कियो बना ले झामुमो ओकर समर्थन करत। भाजपा आ झामुमो क बिखरल कड़ी कए जोड़बा काज सुदेश महतो क जिम्मा अछि। सुदेश महतो आजसू क स्थापना दिवस क मौका पर कहने छलाह जे हुनकर कोशिश राज्य मे वैकल्पिक लोकप्रिय सरकार क गठन अछि। राष्ट्रपति शासन विकल्प नहि अछि।

राष्ट्रपति शासन लगेलाक बाद झारखंड मे सत्ता क कमान केंद्र क हाथ मे अछि। अगर छह महिना तक राष्ट्रपति शासन रहि गेल त अधिकतर विधायक क की होएत, कियो चुनाव नहि चाहैत अछि। ओ चुनाव मे जेबा स डरा रहल छथि। हुनका डर अछि जे दोबारा विधानसभा क मुंह देखब बा नहि। सत्ता सुख क अहसास हुनका बेचैन केने अछि। हुनका बुझल अछि जे एक बेर विधायकी गेल त बुझू सबकिछु गेल। सत्ता क खेल मे सब अपन गोटी फिट करबा मे लागल अछि।

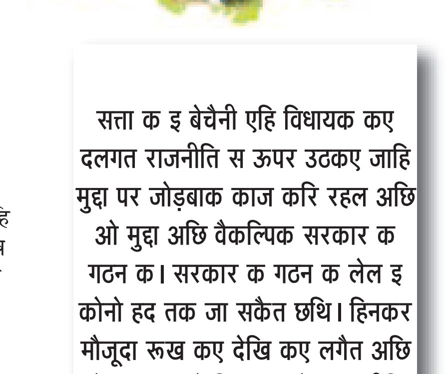

सत्ता क इ बेचैनी एहि विधायक कए दलगत राजनीति स ऊपर उठकए जाहि मुद्दा पर जोड़बाक काज करि रहल अछि ओ मुद्दा अछि वैकल्पिक सरकार क गठन क। सरकार क गठन क लेल इ कोनो हद तक जा सकैत छथि। हिनकर मौजूदा रूख कए देखि कए लगैत अछि जे झारखंड मे किछु आओर राजनीति नौटंकी हैब बाकी अछि। यदि एहन भेल त फेर एक बेर आदर्शविहीन सरकार हमर सामने होएत, जे झारखंड क लेल अशुभ साबित होएत। यदि झारखंड क जनता क गप करि त ओ कखनो एहन सरकार क पक्षधर नहि होएत जे विकास क मुद्दा कए छोड़िकए भ्रष्टाचार आ खींचतान मे लागल रहए। लोक कए उम्मीद अछि जे राज्यपाल एमएचओ फारूक राष्ट्रपति शासन क अवधि मे विकास कार्य मे गति आनि कए झारखंड क जनता क समस्या कए कम करबाक प्रयास करताह।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी चुनाव क संकेत द देलथि अछि, मुदा प्रदेश कांग्रेस सरकार बनेबाक पक्ष मे अछि। कांग्रेस क सहयोगी झाविमो विधानसभा भंग करि नव जनादेश क पक्ष मे अछि। भाजपा क केंद्रीय नेतृत्व झामुमो क संग सरकार बनेबाक खिलाफ बयान दे रहल अछि, मुदा भीतरे भीतर सरकार गठन क प्रक्रिया मे सेहो लागल अछि। प्रदेश भाजपा मे सरकार क मुद्दा पर अलग-अलग राय अछि। रघुवर गुट आ अर्जुन मुंडा गुट एहि मुद्दा पर बंटा नजर आबि रहल अछि। राष्ट्रपति शासन क पूर्व इ गुटबाजी खुलिकए सामने आयल छल। इ गुटबाजी सेहो नेतृत्व ले अछि। एहि दावेदार क बीच एकटा तेसर दावेदार सेहो छथि, यशवंत सिन्हा। भाजपा क राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन गडकरी यशवंत सिन्हा कए मुख्यमंत्री बनेबा लेल तैया छथि।

सत्ता क इ बेचैनी एहि विधायक कए दलगत राजनीति स ऊपर उठकए जाहि मुद्दा पर जोड़बाक काज करि रहल अछि ओ मुद्दा अछि वैकल्पिक सरकार क गठन क। सरकार क गठन क लेल इ कोनो हद तक जा सकैत छथि। हिनकर मौजूदा रूख कए देखि कए लगैत अछि जे झारखंड मे किछु आओर राजनीति नौटंकी हैब बाकी अछि। यदि एहन भेल त फेर एक बेर आदर्शविहीन सरकार हमर सामने होएत, जे झारखंड क लेल अशुभ साबित होएत। यदि झारखंड क जनता क गप करि त ओ कखनो एहन सरकार क पक्षधर नहि होएत जे विकास क मुद्दा कए छोड़िकए भ्रष्टाचार आ खींचतान मे लागल रहए। लोक कए उम्मीद अछि जे राज्यपाल एमएचओ फारूक राष्ट्रपति शासन क अवधि मे विकास कार्य मे गति आनि कए झारखंड क जनता क समस्या कए कम करबाक प्रयास करताह।

झारखंड कए देखी कए एकटा गप साफ भ जाइत अछि जे राजनीति जखन नकारा क हाथ मे चलल जाइत अछि तखन व्यवस्था क विघटन केहन भ सकैत अछि। राज्य मे गैरजवाबदेह आ निरंकुश व्यवस्था स्थापित भ चुकल अछि। राजनीति क मौजूदा शैली स लोकतंत्र चरमरा गेल अछि। इ हमर दुर्भाग्य अछि जे झारखंड मे राजनीति क नाम पर षडयंत्र, कुचक्र आ तिकड़मबाजी होइत रहल अछि। एहि ठाम राजनीतिक सर्जनशीलता कुंठित भ जड़ बांझपन क स्थिति मे पहुंच गेल अछि।

ÜæÂÚßæãè, fæôÅæÜæ ¥æ
×èçÇØæ· ¥™ææÙÌæ

जाहि रिपोर्ट क आधार पर किछु मीडिया नीतीश सरकार आ बिहारक सरकारी कर्मचारी कए बेइज्जत करबा मे लागल अछि ओहि रिपोर्ट आधार पर त देशक अन्य राज्य सहित केंद्र सरकार तक घेरा सकैत अछि। बिहार मे 11412 करोड़ क अनियमितता कए अगर विपक्षक भाषा मे किछु मीडिया घोटाला कहि आ लिख रहल अछि त इ संपादक आ संवाददाता दूनू क ज्ञान पर सवाल उठा रहल अछि। जाहि वित्तीय अनियमितता कए लकए एतबा बवाल मचल अछि, दरअसल ओ कोनो घोटाला नहि अछि, केवल बिहार क अफसरशाही क लापरवाही अछि, सेहो किछु आन पैघ राज्य स कम । कमालक गप इ अछि जे कांग्रेस आ राजद क पैघ नेता तक इ मानैत छथि जे एहि मामला मे कोनो दम नहि अछि आ नीतीश कोनाओ बिल क व्यवस्था कडी लेताह। सरकार लेल बिल इकट्ठा करब कोनो भारी काज नहि अछि, हां कनि सतर्कता बरतब जरूरी अछि, नहि त चारा घोटाला जेका स्कूटर पर भैंस लदा जाइत। मुदा किछु मीडिया त एकरा चारा घोटाला एखने मानि लेलक आ जनता कए एकटा गलत जानकारी देलक। सवाल उठैत अछि जे मीडिया एतबा सतही आ मूर्ख सन व्यवहार किया करैत अछि, केन्द्र आ अन्य राज्य मे सेहो एहन या एहि स पैघ वित्तीय अनियमितता भ रहल अछि। बिहार मे जतय 11412 करोड़ क अनियमितता पर हंगामा मचल अछि, ओतहि उप्र में 33 हजार करोड़, मप्र मे 41 हजार करोड़, महाराष्ट्र मे 22 हजार करोड़ आ झारखंड मे 6 हजार करोड़ क अनियमितता पर अगर बिहार विपक्ष चुप अछि त एहन मीडिया सेहो चुप अछि। कहबाक अर्थ इ जे एहन मीडिया अपन दिस स किछु बुझबाक या कहबाक सामर्थ नहि रखैत अछि। सवाल अछि जे एकर संबंध मे बुझबा लेल संपादक या संवाददाता कोशिश तक नहि केलथि। भ सकैत अछि एहि राशि क एक-एक टका खर्च भेल हुए आ विकास क गति बढ़ेबा मे जुटल अफसरशाही खर्च राशि क बिल-वाउचर जुटेबा मे समय स जुटि नहि सकल हुए। एहन मे एकरा चारा घोटाला स पैघ घोटाला कोना कहि सकैत छी, जखन कि चारा घोटाला मे बिल गडबर छल, स्कूटर पर भैंस लादल गेल छल, नीतीश सरकार त एखन तक इ कहबे नहि केलथि अछि जे ओ माल कोनो आ कथि पर अनलथि। त फेर एकर तुलना चारा घोटाला स करबाक पाछू कोनो न कोनो पूर्वाग्रह त जरूर अछि। किया कि सरकारी काम काज स जुडल एकटा बच्चा सेहो इ बुझी सकैत अछि जे बेइमान स बेइमान सरकार सेहो सरकारी फंड क राशि बगैर खर्च केने अपन जेब मे रखबाक गलती नहि करत। बेइमानी करनिहार कम स कम बिल-वाउचर दुरुस्त रखैत अछि। योजना राशि क गबन नहि करैत। हां, बिल-बाउचर जुटेबा मे जरूर लापरवाही भ सकैत अछि किया कि ओकर दिमाग टारगेट पूरा करबा मे होइत अछि, बिल वाउचर ओकरा लेल सेकेंडरी जिम्मेदारी होइत अछि। एहन मे इ संभव अछि जे बिल नहीं तैया हुए, जेकरा तैयार करबा मे किछु समय लागि सकैत अछि। हां, बिल जमा केलाक बाद अगर कोनो चारा घोटाला सन उदाहरण सामने अबैत अछि त हम एकर तुलना ओकरा स कडी सकैत छी, मुदा एखन त रचना तक नहि भेल अछि त आलोचना कोना भ सकैत अछि।

विपक्षक भाषा बजैत किछु मीडिया देखेलक अपन ज्ञानक सबूत

बिहार मे जतय 11412 करोड़ क अनियमितता पर हंगामा मचल अछि, ओतहि उप्र में 33 हजार करोड़, मप्र मे 41 हजार करोड़, महाराष्ट्र मे 22 हजार करोड़ आ झारखंड मे 6 हजार करोड़ क अनियमितता पर अगर बिहार विपक्ष चुप अछि त एहन मीडिया सेहो चुप अछि।

एहि लेल विपक्ष आ मीडिया क आरोप स घेरायल सरकार एहि संकट मे तीन सूत्रीय रणनीति पर काज करि रहल अछि। पहिल त विपक्ष कए एहि प्रकार स भटका देलक जे मुदृदा वित्तीय अनियमितता स हुनकर व्यवहार पर केंद्रीत भ गेल। एहि मे सरकार काफी हद तक सफल रहल अछि। दोसर सीबीआई जांच क आदेश पर स्टे लेबा लेल कोशिश करब, किया कि नीतीश कए बुझल अछि जे सीबीआई क अर्थ अछि कांग्रेस ब्यूरो आफ इंवेस्टिगेशन। अगर सीबीआई जांच भेल त ओ सेहो लालू, मुलायम, शिबू आ मायावती जेकां कांग्रेस क इशारे पर नाचबा लेल मजबूर भ जेताह।

तेसर चरण जल्द स जल्द उक्त राशि क या कम स कम ओहि राशि क बिल-वाउचर जुटेबा लेबाक अछि जे हुनकर कार्यकाल मे खर्च भेल अछि। लालू क चिंता एहि ठाम अछि आ हंगामा सेहो एतबे लेल भ रहल अछि। लालू चाहैत छथि जे बिल पूरा समयक बनाउल जाए, अगर नीतीशक कार्यकालक बिल बनैत अछि त राबडी देवी क मुष्किल बढि सकैत अछि। बताउल जा रहल अछि जे नौ हजार करोड मे स लगभग 5 हजार करोड़ क हिसाब मिल गेल अछि। बाकी मिलेबा लेल कोर्ट किछु दिनक मोहलत अगर द दैत अछि आ सरकार सीबीआई जांच क आदेश पर रोक लगेबा मे सफल भ जाए। त पूरा मामला नीतीशक पक्ष मे आबि जाइत एहन मे मीडिया कए गंभीरता देखा इंतजार करबाक चाही जे सरकार केहन बिल जमा करैत अछि, वाउचर क जांच क बाद एक बेर फेर सरकार कए बेइमानी आ धोखाधड़ी क लेल जबावदेह ठहराउल जा सकैत अछि, जखन धरि एहि बिल-वाउचर कए ओके नहि करि देल जाइत अछि, तखन धरि सरकार कए बरी नहि कैल जा सकैत अछि, मुदा एकरा घोटाला सेहो कहब गलत अछि।

कैग रिपोर्ट पर विस्तार स अगिला अंक मे, देखब नहि बिसरब

अंक- 44, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : **esamaad@gmail.com**